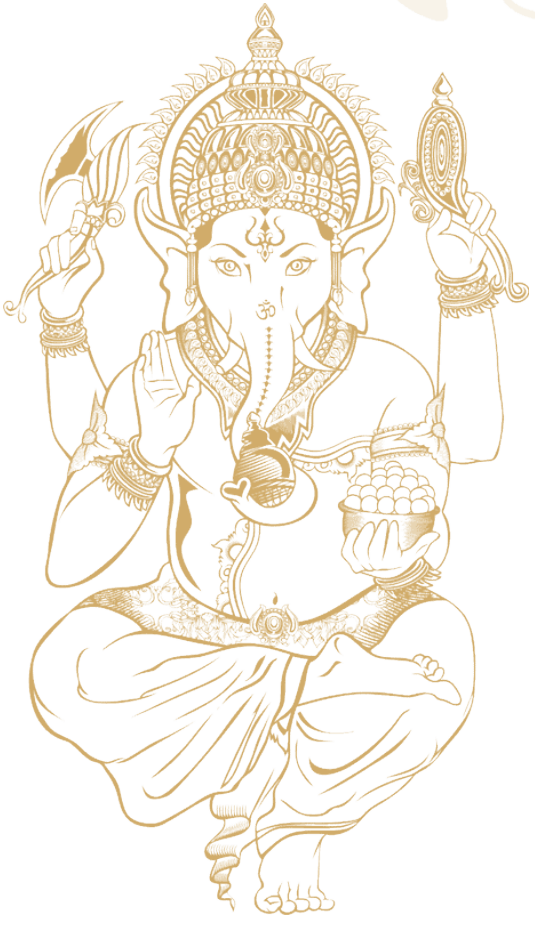

Mr.Ghanshyam

Ms.Hemlta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119372202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/05/1992	जन्म तिथि	6-07/10/1996
बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 14:35:00	जन्म समय	03:05:00 घंटे
घटी 22:26:05	जन्म समय(घटी)	52:00:05 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Jaipur
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:36:34	सूर्योदय	06:21:45
18:58:46	सूर्यास्त	18:07:24
23:45:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:44

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 14वर्ष 8मा 1दि	25:37:46	सिंह	लग्न	सिंह	05:30:12	शनि 0वर्ष 7मा 0दि
शनि	22:19:58	मेष	सूर्य	कन्या	20:05:18	शुक्र
06/01/2023	09:08:00	मिथु	चंद्र	कर्क	16:15:25	08/05/2021
06/01/2042	06:36:45	मीन	मंगल	कर्क	22:43:25	08/05/2041
शनि 09/01/2026	28:43:02	मीन	बुध	कन्या	02:58:26	शुक्र 06/09/2024
बुध 18/09/2028	10:55:30	सिंह	गुरु	धनु	15:43:06	सूर्य 07/09/2025
केतु 28/10/2029	12:03:35	मेष	शुक्र	सिंह	09:23:11	चन्द्र 08/05/2027
शुक्र 28/12/2032	24:20:00	मक	शनि व	मीन	09:22:22	मंगल 07/07/2028
सूर्य 10/12/2033	07:40:51	धनु	राहु	कन्या	14:11:29	राहु 08/07/2031
चन्द्र 11/07/2035	07:40:51	मिथु	केतु	मीन	14:11:29	गुरु 08/03/2034
मंगल 19/08/2036	24:10:29	धनु व	हर्ष व	मक	06:50:01	शनि 08/05/2037
राहु 26/06/2039	25:08:06	धनु व	नेप	मक	01:09:51	बुध 08/03/2040
गुरु 06/01/2042	27:58:32	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	07:24:33	केतु 08/05/2041

लग्न-चलित

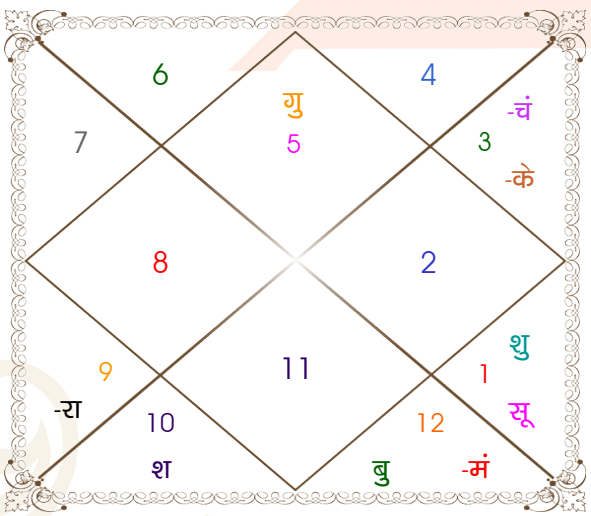

लग्न-चलित

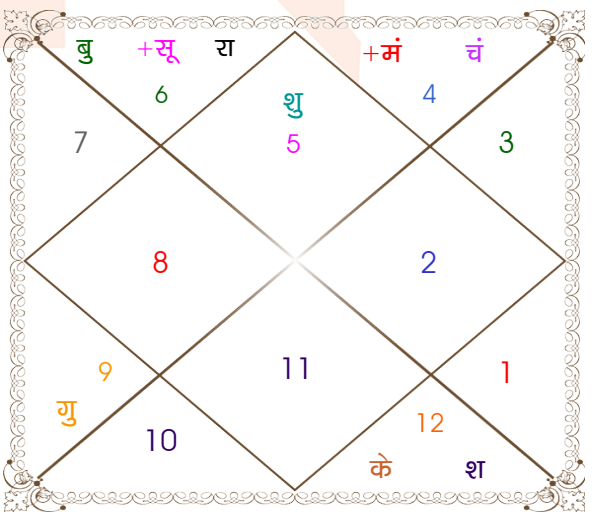

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	मेष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Ghanshyam का वर्ग मार्जार है तथा Ms.Hemlta का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Ghanshyam और Ms.Hemlta का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Ghanshyam मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Ghanshyam कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Hemlta मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Hemlta कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Hemlta कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.Hemlta कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.Hemlta कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Ghanshyam कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Ghanshyam तथा Ms.Hemlta में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।